JB ENTERPRISES

Green Agrow

जेबी एंटरप्राइजेज

जेबीई, एक पेशेवर रूप से प्रबंधित फर्म होने के नाते जैविक खेती, जैविक उर्वरक, जैविक फर्श क्लीनर और अन्य जैविक प्राकृतिक रूप से खेती किए गए उत्पादों के निर्माण और आपूर्ति में लगी हुई है, जो कि "ग्रीन एग्रो" के ब्रांड नाम से बी2बी और बी2सी और हमारे ई पोर्टल के माध्यम से आपूर्ति करती है। हम किसी भी अन्य चीज़ की तुलना में लोगों के ज्ञान के आधार पर निर्भर हैं। हमारे पंचगव्यम और क्लीनर उत्पाद NABIL अनुमोदित प्रयोगशालाओं द्वारा परीक्षण और प्रमाणित हैं और हमारे सभी उत्पाद FSSAI द्वारा प्रमाणित हैं।

COW PRODUCT
ASSOCIATION
JB - SOUTH INDIA HEAD

ग्रीन एग्रो पंचकव्यम्

हम ग्रीन एग्रो केवल देशी गायों से निर्मित पंचकाव्यम के निर्माताओं में से एक हैं, जिसमें पांच प्रमुख सामग्री जैसे गाय का गोबर, गोमूत्र, गाय का दही, गाय का घी और गाय का दूध, साथ ही अतिरिक्त जैविक उत्पाद जैसे गुड़, नारियल पानी आदि शामिल हैं। आवश्यकताएँ और उपयोग। पंचकाव्यम एक तरल कार्बनिक पदार्थ है जिसका उपयोग मानव और पृथ्वी के सभी जीवित भण्डारों के लाभ के लिए विभिन्न प्रयोजनों के लिए किया जाता है।

कृषि

पंचकाव्यम का उपयोग जैविक उर्वरक के रूप में किया जा सकता है जो सभी प्रकार की कृषि खेती और जलवायु परिस्थितियों के लिए उपयुक्त है।

हमारा ग्रीन एग्रो पंचकाव्यम कृषि खेती के लिए पानी की खपत को कम करने और उपज को 30% तक आसानी से बढ़ाने में मदद करता है।

हमारा ग्रीन एग्रोपंचकव्यम पौधों की फसलों को बिना पानी के 21 दिनों तक जीवित रखने में मदद करता है

हमारे ग्रीन एग्रो पंचकव्यम का उपयोग करके सभी कृषि खेती उत्पादों को रासायनिक उर्वरकों के कारण होने वाली विभिन्न बीमारियों से बचाने के लिए वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों के स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद मिलती है।

हमारा ग्रीन एग्रो पंचकाव्यम मिट्टी की उर्वरता में सुधार करने में मदद करता है जो जैविक उत्पादों का उत्पादन करने के लिए सभी कृषि खेती के लिए सबसे अच्छी गतिविधि में से एक है।

खिलाना

ग्रीन एग्रो पंचकाव्यम एक्का के लिए उपयुक्त चारा है, पोल्ट्री फार्मों, भेड़, मवेशियों और ऊंटों के लिए बिना किसी बीमारी के उनके बेहतर स्वास्थ्य और उत्कृष्ट गुणवत्ता वाले दूध के लिए स्वास्थ्य पूरक आहार है।

ईटीपी संयंत्र और सीवेज उपचार

हमारा ग्रीन एग्रो पंचकाव्यम पानी की कठोरता को कम करने और पीने के अलावा सीवेज के पानी को पुनः प्रयोज्य पानी में बदलने में मदद करता है।

देशी गाय के गोबर आधारित उत्पाद विभिन्न उद्योगों के विकास के लिए उपयुक्त हैं ।

- पारंपरिक जैविक क्लीनर
- इको पेंट निर्माण
- विद्युत उत्पादन
- हस्तशिल्प
- कुटीर उद्योग आदि

जेबीई प्रभाग

मुख्य लक्ष्य

सभी किसानों को जैविक उर्वरक यानी ग्रीन एग्रो पंचगव्यम के बारे में शिक्षित करना और बढ़ावा देना और उन्हें रासायनिक उर्वरकों से प्राकृतिक जैविक खेती में परिवर्तित करना ताकि मातृ मिट्टी के साथ-साथ वर्तमान सह भावी मानव पीढ़ियों को रासायनिक उर्वरक आधारित खेती वाले उत्पादों के कारण होने वाली विभिन्न बीमारियों से बचाया जा सके। . हमारी भावी पीढ़ी स्वस्थ और सुरक्षित रहे और साथ ही प्राकृतिक संसाधनों विशेषकर पानी को बचाना भी जीने के लिए उतना ही महत्वपूर्ण है और पंचगव्यम खेती के लिए पानी के उपयोग को कम करने में मदद करता है। इसलिए, लोगों को जैविक खेती और जैविक उत्पादों विशेषकर पंचगव्यम के उपयोग के बारे में शिक्षित करना हमारा मुख्य लक्ष्य और कार्य है।

पंचगव्यम एवं देशी गाय उत्पाद

वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों के स्वस्थ जीवन के लिए प्राकृतिक और अधिक स्वास्थ्य खाद्य उत्पादों के साथ खेती और खेती के सर्वोत्तम प्रदर्शन के साथ विशेष रूप से देशी गायों से बने पारंपरिक जैविक उर्वरक, जिसे पंचगव्यम कहा जाता है, की आपूर्ति कर रहा है।

- पंचगव्यम् - तरल
- जैविक फर्श क्लीनर
- देसी देशी गाय के गोबर के केक
- देसी देशी गाय का मूत्र - आसुत

ई कॉमर्स

जे बीई का अपना ई पोर्टल www.greenagrow.com है जो "ग्रीन एग्रो" ब्रांड नाम से सभी आवश्यक ऑर्गेनिक किराना सामान की आपूर्ति करता है और सीधे खुदरा/थोक आपूर्ति यानी बी2बी के साथ-साथ बी2सी को भी आपूर्ति करता है ।

व्यापारी व्यापार

जेबीई समय पर और हर समय गुणवत्ता और सही कीमत पर सभी सर्वोत्तम संभव तरीकों और साधनों से ग्राहकों का समर्थन करने के लिए सभी प्रकार की ट्रेडिंग को शामिल कर रहा है। ग्राहकों की आवश्यकता के अनुसार सभी आवश्यक सामानों की आपूर्ति घरेलू और विदेशी दोनों जगहों पर की जाएगी।

देशी गाय पंचगव्यम के जादुई गुण।

जैविक उर्वरक - पंचगव्यम - विशेषकर देशी गायों से प्राप्त सर्वोत्तम लाभ/परिणाम प्रदान करता है

गाँय का गोबर

गोमूत्र

गाय का घी

दूध

गाय का दही

पानी

गुड़

कच्चा नारियल

अच्छी तरह पका हुआ पूवन केला

शुक्र है कि जैविक खेती और इसकी तकनीकें वापस फैशन में आ गई हैं। हम शहरवासियों के विपरीत, हमारे पूर्वजों का जीवन डिफ़ॉल्ट रूप से जैविक था। उनके पास कई तकनीकें और तरीके थे जिससे वे प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाकर अपना जीवन व्यतीत करते थे। पंचगव्यम उनमें से एक है। पंचगव्यम के लाभ पौधों से लेकर मनुष्यों से लेकर जानवरों तक हैं।

पंचगव्यम मुख्य रूप से मिट्टी की उर्वरता में सुधार करता है और पौधों के विकास को बढ़ावा देता है और उनकी प्रतिरक्षा को बढ़ाता है। विभिन्न अंगों पर पंचगव्य का प्रभाव इस प्रकार है:

पत्तियाँ: पंचगव्यम का छिड़काव करने से पौधों पर बड़ी पत्तियाँ उत्पन्न होती हैं; यह प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को भी बढ़ाता है।

तना: यह शाखाकरण में सुधार करता है, और अधिक अंकुर पैदा करने में मदद करता है, जो अधिक मजबूत होते हैं।

जड़ें: जड़ें गहरी होती हैं, जिससे पोषक तत्वों और पानी का सेवन बढ़ जाता है। वे सघन भी हो जाते हैं और लंबे समय तक ताज़ा बने रहते हैं।

उपज: आमतौर पर देखा गया है कि जब खेतों को अकार्बनिक से जैविक में परिवर्तित किया जाता है, तो उनकी उपज कम हो जाती है; पंचगव्यम यह सुनिश्चित करता है कि इस जैविक उर्वरक पर समान निवेश के साथ शुरुआत में कम से कम 130% और 3 वर्षों में 200% तक रूपांतरण के बाद उपज बहाल हो जाती है।

पंचकाव्यम उत्पाद की शेल्फ लाइफ, सुगंध और स्वाद को भी बढ़ाता है।

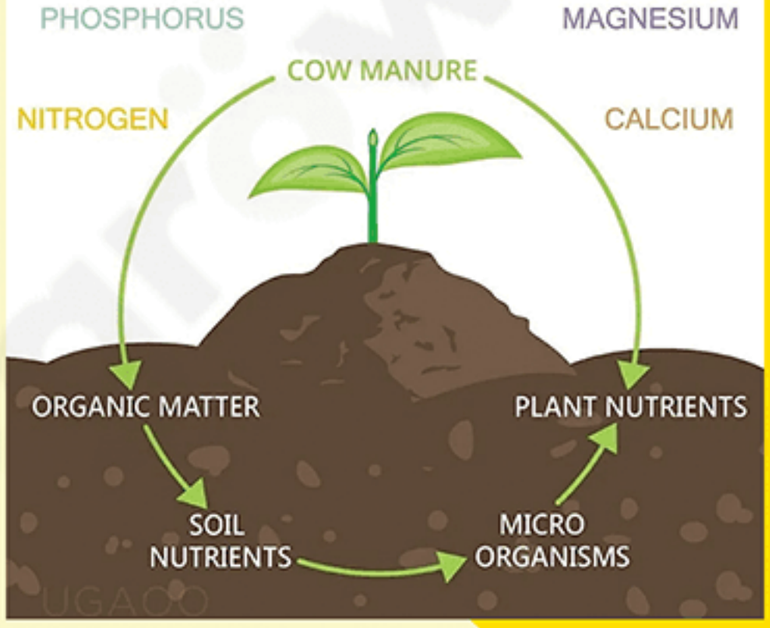

पानी की खपत में कमी: पंचगव्यम के कारण पत्तियों और तनों पर तेल की एक पतली परत बन जाती है। इससे दिन के दौरान वाष्पीकरण के कारण होने वाली पानी की कमी कम हो जाती है। इसके अलावा पंचगव्यम के कारण जड़ें लंबी होती हैं, पौधे लंबे समय तक सूखे का सामना कर सकते हैं। इस तरह पौधे की पानी की खपत 30% कम हो जाती है।

पंचगव्यम की सामान्य खुराक - 15 दिनों में एक बार।

सभी प्रकार की सब्जियों और फूलों के लिए - पानी की मात्रा का	3% - ड्रिप सिंचाई
सभी प्रकार की फसलों और पौधों के लिए	3% - ड्रिप सिंचाई
सभी प्रकार के फलों और पेड़ों के लिए	5% - ड्रिप सिंचाई/स्प्रे
कॉफ़ी और चाय के लिए	स्प्रे द्वारा 5%

बिना टैंक के प्रवाह सिंचाई के लिए कृपया हमारे कार्यालय से संपर्क करें

पौधों की वृद्धि पर पंचकाव्यम खाद के लाभ

हमारे सभी किसानों ने अपने अनुभव से पंचगव्यम के विकास को बढ़ावा देने वाले प्रभाव का खुलासा किया है, खासकर चावल, आम आदि की खेती में। इसके अलावा, यह फसलों, मिट्टी और पर्यावरण की गुणवत्ता को संरक्षित करने में मदद करता है। इसमें कई सूक्ष्म और स्थूल पोषक तत्व, बैक्टीरिया और कवक जैसे लाभकारी सूक्ष्मजीव शामिल हैं जो पौधों के विकास को बढ़ावा देते हैं।

पंचकाव्यम् की विशेषताएँ

पंचगव्यम एक जैविक तरल उर्वरक है, जो विकास को उत्तेजित करता है और सभी प्रकार के पौधों में प्रतिरक्षा को बढ़ाता है। इसमें पौधों की वृद्धि के लिए आवश्यक वृद्धि हार्मोन (आईएए और जीए) के साथ-साथ सभी मैक्रो और सूक्ष्म पोषक तत्व हैं। यह बताया गया है कि पंचगव्यम के प्रति मिलीलीटर घोल में एज़ोस्पिरिलम, एज़ोटोबैक्टर, फॉस्फोबैक्टीरिया और स्यूडोमोनास जैसे कुछ जैव उर्वरक पाए गए। गुड़/गन्ने के रस और कम पीएच पर दूध और दूध उत्पादों जैसे किण्वन सब्सट्रेट्स के कारण यीस्ट और लैक्टोबैसिली जैसे माइक्रोबियल वनस्पति बड़े अनुपात में मौजूद होते हैं। घोल का निम्न PH माइक्रोबियल किण्वन के परिणामस्वरूप कार्बनिक अम्ल के उत्पादन के कारण था। किण्वन के दौरान लैक्टोबैसिली कुछ लाभकारी मेटाबोलाइट्स यानी कार्बनिक अम्ल, हाइड्रोजन पेरोक्साइड और एंटीबायोटिक्स पैदा करता है, जो पौधों में उनके विकास को बढ़ावा देने वाले गुणों के अलावा अन्य हानिकारक रोगाणुओं के खिलाफ प्रभावी होते हैं।

विभिन्न फसलों के लिए खुराक का समय अंतराल - सामान्य अभ्यास

- धान रोपाई के 10,15,30 और 50वें दिन
- सूरजमुखी बुआई के 30,45 एवं 60 दिन बाद
- काला चना बारानी: प्रथम फूल और फूल आने के 15 दिन बाद सिंचित: बुआई के 15, 25 और 40 दिन बाद
- मूंग बुआई के 15, 25, 30, 40 एवं 50 दिन बाद
- अरंडी बुआई के 30 एवं 45 दिन बाद
- मूंगफली बुआई के 25 व 30 दिन बाद
- भिंडी बुआई के 30, 45, 60 और 75 दिन बाद
- मोरिंगा फूल आने से पहले और फली बनने के दौरान
- टमाटर नर्सरी के दौरान और रोपाई के 40 दिन बाद: बीज को 1% से 12 घंटे तक उपचारित करें और फिर 15 दिन में एक बार 3% से उपचारित करें।
- प्याज 0, 45 एवं 60 दिन रोपाई के बाद
- गुलाब छँटाई और अंकुर फूटने के समय
- चमेली कली की शुरूआत और स्थापना
- वेनिला डिपिंग रोपण से पहले सेट हो जाती है
- चाय और कॉफी बागान स्प्रे/ड्रिप सिंचाई द्वारा जलवायु परिस्थितियों पर निर्भर करते हैं। अधिक जानकारी के लिए कृपया कार्यालय से संपर्क करें
- क्लोव, इलायची और सभी मसालों में एक बार स्प्रे/ड्रिप सिंचाई द्वारा 15 दिन का समय होता है

पंचकाव्यम् की रासायनिक संरचना	पंचकाव्यम् में माइक्रोफ्लोरा पाया जाता है
आवश्यकतानुसार पीएच 6.50 से	कवक 38800/मिली
ईसी डीएसएम2 10.22	बैक्टीरिया 1880000/मिली
कुल एन (पीपीएम) 229	लैक्टोबैसिलस 2260000/मिली
कुल पी (पीपीएम) 209	कुल अवायवीय 10000/मिली
कुल के (पीपीएम) 232	एसिड फॉर्मर्स 360/मिली
सोडियम 90	मेथनोजेन 250/मिली
कैल्शियम 25	
आईएए (पीपीएम) 8.5	
जीए (पीपीएम) 3.5	

पंचगव्यम के सर्वोत्तम लाभ

- पंचगव्यम का उपयोग आमतौर पर फसलों में तरल जैविक खाद के रूप में किया जाता है। जब इस घोल का छिड़काव किया जाता है, तो पौधे बड़ी पत्तियाँ पैदा करते हैं; पार्श्व प्ररोहों की अधिक संख्या से उपज अधिक होती है।
- यह प्रचुर और घनी जड़ें पैदा करके पौधों में जड़ प्रणाली के विकास को बढ़ावा देता है, गहरी परतों में प्रवेश करता है और पोषक तत्वों और पानी के बेहतर अवशोषण में मदद करता है।
- पौधे 21 दिनों तक के सूखे को भी सहन कर सकते हैं और यह पंचगव्यम के कारण नमी से पानी को अवशोषित करके जीवित रहते हैं और सिंचाई के लिए कम पानी की आवश्यकता होती है यानी सामान्य पानी की आवश्यकता से लगभग 30% कम पानी की आवश्यकता होती है जिससे पानी और बिजली में भारी बचत होती है।
- पंचगव्यम में सूक्ष्म और स्थूल दोनों पोषक तत्वों की मौजूदगी के कारण यह मिट्टी की उर्वरता को बढ़ाता है।
- पंचगव्यम में कुछ पौधे विकास प्रवर्तक और अन्य रोगाणुरोधी होते हैं जो पौधों के विकास को बढ़ावा देते हैं और उन्हें रोगजनकों से बचाते हैं जिसके परिणामस्वरूप फसलों की उपज अधिक होती है।
- पंचगव्यम का उपयोग ब्रॉयलर चिकन आहार में एंटीबायोटिक विकास प्रवर्तक के रूप में भी किया जा सकता है। सर्वोत्तम परिणामों के लिए पीने के पानी में पंचगव्यमिन चिकन फ़ीड @ 15 मिलीलीटर प्रति किलोग्राम या @ 1 मिलीलीटर जोड़ें, उच्च गुणवत्ता के साथ चिकन की अंडे देने की क्षमता में सुधार होगा और चिकन के शरीर के वजन में वृद्धि होगी .
- गाय और भेड़ के चारे में पंचगव्यम मिलाने से कुछ बीमारियाँ ठीक हो जाएंगी और गायों में दूध उत्पादन में सुधार होगा और भेड़ों का वजन बढ़ेगा।
- पंचगव्यम झींगा और मछली के चारे के लिए सबसे उपयुक्त है, यह तालाबों के प्रकार पर निर्भर करता है। 25 ग्राम औसत वजन के साथ झींगा की वृद्धि 60 दिनों में होगी। विवरण के लिए कृपया कार्यालय से संपर्क करें।

पंचगव्यम में कई विटामिन, अमीनो एसिड भी होते हैं। इसमें गिबरेलिन और ऑक्सिन होते हैं जो पौधों के विकास को नियंत्रित करते हैं। इसमें स्यूडोमोनास, एज़ोटोबैक्टर, फॉस्फोर बैक्टीरिया जैसे सूक्ष्मजीव भी होते हैं जो पौधों के लिए फायदेमंद माने जाते हैं।

यह जाँचने के लिए अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए कि भैंस का कोई भी उत्पाद मिश्रित तो नहीं है।

बकरी और भेड़

बकरियों के लिए, प्रति दिन 20 मिलीलीटर पंचगव्यम को प्राथमिकता दी जाती है। वे स्वस्थ हो जाते हैं और बहुत ही कम समय में उनका वजन भी बढ़ जाता है।

गायों

गायों के लिए, प्रति दिन 100 मिलीलीटर पंचगव्यम को प्राथमिकता दी जाती है। इसके उपयोग से गायें स्वस्थ हो जाएंगी और दूध भी अच्छा देंगी। गर्भधारण की दर में वृद्धि होगी। गाय की त्वचा चमकदार, बाल घने और सुंदर होंगे। गाय में कोई बीमारी नहीं होगी.

मुर्गी पालन।

आपको प्रतिदिन प्रति पक्षी 1 मिलीलीटर पंचगव्य देना होगा। इसे पीने के पानी में पंचगव्य मिलाकर/चारे में मिलाकर किया जा सकता है। इससे पक्षी रोगमुक्त रहता है और वजन बढ़ता है। पंचगव्यम से उपचारित पक्षियों द्वारा दिए गए अंडे अकार्बनिक तरीके से उगाए गए अंडे की तुलना में बड़े होंगे। जब ब्रॉयलर चिकन की बात आती है, तो वजन अनुपात में फ़ीड में भारी वृद्धि होगी। प्रति किलो चारे में 15 मिलीलीटर पंचगव्यम मिलाना चाहिए।

मछली/झींगा

मछली/झींगा तालाबों में, आप ताजे पानी के साथ पंचगव्यम लगा सकते हैं। इससे मछली के तालाब में शैवाल और छोटे-छोटे कीड़े बनेंगे जो मछलियों के लिए भोजन स्रोत के रूप में काम करते हैं। आपको ध्यान रखने वाली मुख्य बात यह है कि आपको तालाब में केवल ताजा पानी डालना है। तालाबों में अच्छी मात्रा में ऑक्सीजन उपलब्ध कराने के लिए ऐसा अक्सर किया जाना चाहिए। यदि ऑक्सीजन कम हो तो शैवाल और कीड़े भी भोजन प्राप्त करने में मछलियों के लिए प्रतिस्पर्धा बन जाते हैं। पंचगव्यम के प्रयोग से अंगुलिकाओं की मृत्यु दर कम हो जाएगी और मछली/झींगा का वजन भी बढ़ जाएगा, जिससे मछली/झींगा पालकों को लाभ होगा। विवरण और फीडिंग की प्रक्रिया के लिए कृपया कार्यालय से संपर्क करें।

एक सरल व्यावहारिक गणना. पंचगव्य - एक्वा कल्चर - झींगा/झींगा

ग्रीन एग्रो पंचगव्य सर्वोत्तम एक्वा फ़ीड में से एक है, जो इस उद्योग से जुड़े किसानों के लिए बहुत फायदेमंद है। स्वास्थ्य जलीय संस्कृति फार्मों के लिए फ़ीड की योजना पारंपरिक तरीकों से बनाई जानी चाहिए।

झींगा/झींगा के लिए अनुमानित व्यावहारिक अनुप्रयोग। पानी ताजा साफ पानी होना चाहिए और किसी ब्लीचिंग/क्लोरीनीकरण आदि की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए।

क्षेत्रफल	1 एकड़
मात्रा	1,00,000 टुकड़े
पानी की गहराई	लगभग 3 फीट।
दूध पिलाने के दिन	अधिकतम 60-75 दिन
अपेक्षित उपज	लगभग 2.5-3 मीट्रिक टन।
औसत वज़न	लगभग 25-30 ग्राम.
फ़ीड का प्रकार	तरल
रोकथाम	हाँ देशी गाय के पंचगव्य के साथ - 200 लीटर लगभग।
फ़ीड विधि	पंचगव्य एक्वा फ़ीड चार्ट देखें
फ़ीड की संख्या	दिन में 3 बार
अतिरिक्त बचत	मानव शक्ति, जनरेटर, बिजली, क्लोरीनीकरण और कुल मिलाकर 20 दिन।

झींगा/झींगा के लिए पंचकाव्यम लाभ

- इष्टतम विकास को बढ़ावा देता है
- तनाव कम करता है
- भूख और फ़ीड रूपांतरण अनुपात में सुधार करता है
- संपूर्ण स्वास्थ्य और प्रतिरक्षा में सुधार होता है
- फ़ीड दक्षता को बढ़ाता है
- असमान विकास को रोकता है
- विकास मंदता को रोकता है और उसका इलाज करता है
- श्वेत प्रदर पर पूर्ण नियंत्रण
- गुणवत्ता और वजन में सुधार होता है
- प्रोटीन और विटामिन में सुधार करता है

ग्रीन एग्रो कीटाणुनाशक- जैविक क्लीनर

दिव्य देसी गाय के मूत्र के साथ ग्रीन एग्रो पंचगव्य फ्लोर क्लीनर फर्श को साफ, चमकदार और बैक्टीरिया और कीटाणुओं से मुक्त रखने में मदद करता है । ग्रीन एग्रो क्लीनर एक प्रामाणिक पंचगव्य उत्पाद है और एक कार्बनिक सतह कीटाणुनाशक है। एक प्रभावी कार्बनिक कीटाणुनाशक जिसमें व्यापक स्पेक्ट्रम एंटी-माइक्रोबियल गतिविधि होती है, जो बैक्टीरिया के खिलाफ काम करती है।

गौमूत्र सन्दूक और पाइन तेल की शक्ति का उपयोग करके जहरीले सफाई रसायनों का एक प्राकृतिक और सुरक्षित विकल्प । 100% बायोडिग्रेडेबल

- 100% सांद्रित आसुत गोमूत्र से तैयार (गौमूत्र अर्क)
- लागत प्रभावी (10 लीटर पानी में 50 मिली) या [पानी की मात्रा का 5%]
- इंसानों के लिए बिल्कुल सुरक्षित
- आपके परिवार को प्राकृतिक तरीके से हानिकारक सूक्ष्म जीवों से बचाता है
- इस उत्पाद को खरीदकर हमारी अर्थव्यवस्था में गौ माता के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान सुनिश्चित करते हैं ।

सामग्री

नीम, पानी, पाइन तेल के साथ आसुत गोमूत्र,

ग्रीन एग्रो क्लीनर गाय के मूत्र और नीम के अर्क के लाभ के साथ आता है जो इसे अब तक के प्राकृतिक लेकिन शक्तिशाली क्लीनर में से एक बनाता है। लंबे समय तक खुशबू के साथ हर धुलाई में स्वच्छता बनाए रखता है।

कोई ब्लीच कठोरता नहीं

इसमें क्लोरीन ब्लीच नहीं है. कोई भी कठोर रासायनिक अवशेष स्वच्छ सुगंध नहीं छोड़ता। 99.9% कीटाणुओं को मारता है। किसी दस्ताने, मास्क या सुरक्षात्मक नेत्र-पहनने की आवश्यकता नहीं है।

उपयोग

इसमें सफाई के बहुउद्देश्यीय यानी फर्श और शौचालय आदि और सब कुछ एक ही विशेषता है।

घरों, अपार्टमेंटों के लिए आदर्श

सार्वजनिक आवाजाही के स्थान यानी बस स्टैंड, रेलवे जंक्शन, हवाई अड्डे, समुद्री बंदरगाह, पार्क, चिड़ियाघर आदि

अधिक प्राकृतिक स्वच्छता तरीके से अस्पतालों, शैक्षणिक संस्थानों, कार्यालयों, होटलों और लॉज के लिए उत्कृष्ट

सावधानी

- नहीं मानव उपभोग के लिए
- बच्चों की पहुंच से दूर और आग से दूर रखें
- ठंडे और सूखे स्थान में रखें।

पंचकाव्यम् बनाम रासायनिक उर्वरक की व्यावहारिक तुलना

हमारी भूमि पर खेती के अपने अनुभव के आधार पर- जे. भालाजी

अंतर्वस्तु

उर्वरक पौधों के लिए भोजन के पूरक हैं। मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने और पोषक तत्वों से भरपूर फसलों की पैदावार और उत्पादन में सुधार करने के लिए मिट्टी में उर्वरक मिलाए जाते हैं। सामान्य तौर पर, इन उर्वरकों को या तो प्राकृतिक रूप से प्राप्त किया जा सकता है या पैदावार की उत्पादकता बढ़ाने के लिए कृत्रिम रूप से तैयार किया जा सकता है।

इन उर्वरकों को प्रयुक्त सामग्री की संरचना और प्रकार के आधार पर जैव-उर्वरक और रासायनिक उर्वरकों में वर्गीकृत किया जाता है।

[जैविक उर्वरक] यानी पंचकाव्यम क्या है?

जैविक उर्वरकों में मुख्य रूप से पौधों के अवशेष, सूक्ष्म जीवों की कुछ अनोखी प्रजातियाँ और अन्य कार्बनिक पदार्थ शामिल होते हैं, जिनमें पौधों की वृद्धि के लिए आवश्यक पोषक तत्व होते हैं। जैवउर्वरक पर्यावरण के अनुकूल हैं, पोषक तत्वों के अच्छे स्रोत के रूप में काम करते हैं, मिट्टी की बनावट में सुधार करते हैं, रोग पैदा करने वाले रोगजनक घटकों को नष्ट करते हैं और मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने में भी मदद करते हैं।

कुल मिलाकर, जैविक उर्वरक पौधों की उत्पादकता और स्वस्थ फसलों में सुधार के लिए पौधों के लाभ के लिए आवश्यक पोषक तत्वों के एक अच्छे स्रोत के रूप में काम करते हैं।

रासायनिक उर्वरक क्या है?

मिट्टी को नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटेशियम जैसे पोषक तत्वों से समृद्ध करने के लिए फसलों में रासायनिक उर्वरक या सिंथेटिक उर्वरक मिलाए जाते हैं। इससे मिट्टी की उर्वरता कम हो जाती है जिससे फसलें जल्दी उगती हैं।

जैविक उर्वरक और रासायनिक उर्वरक दोनों का उपयोग पौधों की उपज में सुधार करने और पौधों के रोगजनकों को नष्ट करने के लिए पोषक तत्वों के स्रोत के रूप में किया जाता है। रासायनिक उर्वरक निकाले और परिष्कृत किए जाते हैं और मिट्टी की उर्वरता के लिए खतरनाक होते हैं और मनुष्यों और सभी जीवित प्राणियों के लिए अच्छे नहीं होते हैं, जबकि जैविक उर्वरक न्यूनतम रूप से संसाधित होते हैं और मिट्टी की उर्वरता के लिए पर्यावरण के अनुकूल और स्वास्थ्यवर्धक होते हैं और सभी प्रकार की फसलों, पौधों के लिए कम पानी में अधिक उपज देते हैं। . , सब्जियाँ, फल आदि और मनुष्यों और सभी पशुधन के लिए अच्छे हैं।

हमारी कृषि भूमि पर हमारे अपने अनुभव के आधार पर तुलना

जैविक उर्वरक [पंचकव्यम]	रासायनिक उर्वरक
परिभाषा	
वे प्राकृतिक सामग्रियों से बने होते हैं जिन्हें कुछ जैविक फलों के रस आदि के साथ देशी गायों से निकाला जाता है	वे गैर-कार्बनिक और कृत्रिम रूप से खेती किए गए तत्वों से बने होते हैं।
कार्रवाई का समय	
इन उर्वरकों के पोषक तत्वों को शुरू में पौधे तक पहुंचने में थोड़ा अधिक समय लगता है लेकिन पहली बार उपयोग के बाद यह काफी सुसंगत और प्रभावी होता है।	जैविक उर्वरकों की तुलना में तेजी से काम करते हैं क्योंकि वे तुरंत पानी में घुल जाते हैं और पौधों को पोषक तत्व प्रदान करते हैं।
संसाधनों का प्रकार	
नवीकरणीय स्रोत. फसल/पौधा बिना पानी यानी सूखे में 21 दिन तक खड़ा रह सकता है। यह नमी से पानी सोख लेता है	गैर-नवीकरणीय स्रोत. प्रतिदिन पानी की आवश्यकता है अन्यथा फसल/पौधा मर जायेगा।

जैविक उर्वरक [पंचकव्यम]	रासायनिक उर्वरक
पानी की खपत	
खेती के लिए कम पानी की आवश्यकता होती है और कम से कम 30 से 40% पानी बचाया जा सकता है	खेती के लिए अधिक पानी की आवश्यकता.
मृदा जीवन	
मिट्टी को स्वस्थ, उत्तेजित और अधिक उपजाऊ बनाता है।	मृदा जीवन समृद्ध या उत्तेजित नहीं होगा।
मृदा संघनन	
जैविक उर्वरक एक हवादार मिट्टी की संरचना सुनिश्चित करते हैं और 3 वर्षों में मिट्टी की उर्वरता में पूरी तरह से सुधार करते हैं और कृषि उत्पादों का उपयोग स्वस्थ होते हैं और मनुष्यों के साथ-साथ पशुधन के लिए बीमारियों को रोकते हैं।	रासायनिक उर्वरकों से मिट्टी का अम्लीकरण होता है और मिट्टी की उर्वरता पूरी तरह से खराब हो जाती है और ऐसे कृषि उत्पादों के उपयोग से मनुष्यों और पशुधन को सभी प्रकार की बीमारियाँ होती हैं।
नमक सामग्री	
जैविक उर्वरकों में सोडियम लवण या कोई धातु सामग्री या रसायन नहीं होते हैं।	रासायनिक उर्वरक बहुत नमकीन होते हैं और इनमें हानिकारक रसायन होते हैं।
पर्यावरण पर प्रभाव	
यह बायोडिग्रेडेबल, टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल और बहुत स्वस्थ है।	बार-बार उपयोग से माइक्रोबियल पारिस्थितिकी तंत्र और मिट्टी का पीएच प्रभावित होता है, जिससे मिट्टी में रसायनों का विषाक्त संचय होता है और यह सभी के लिए बहुत खतरनाक होता है।
पोषक तत्वों का वितरण	
आवश्यकता के अनुरूप आवश्यक पोषक तत्वों का समान रूप से बेहतर वितरण करें।	आवश्यक पोषक तत्वों का समान वितरण हो।
नाइट्रोजन स्थिरीकरण करने वाले जीवाणु	
नाइट्रोजन स्थिरीकरण करने वाले जीवाणुओं के विकास में सहायता करता है।	नाइट्रोजन स्थिरीकरण करने वाले जीवाणुओं की वृद्धि को नष्ट कर देता है क्योंकि इसमें अम्ल की मात्रा अधिक होती है।
एनपीके अनुपात - नाइट्रोजन फास्फोरस पोटेशियम अनुपात	
जलवायु परिस्थितियों के अनुसार फसलों और पौधों के लिए बहुत अधिक संतुलित	आरंभ में उच्च.

जैविक उर्वरक [पंचकव्यम]	रासायनिक उर्वरक
उर्वरकों की लागत	
यह शुरुआत में रासायनिक उर्वरकों की तुलना में थोड़ा अधिक महंगा है और लंबे समय में विशेष रूप से 3 साल के उपयोग के बाद उर्वरक लागत में सस्ता हो जाता है। पहले वर्ष में उपज न्यूनतम 30% अधिक होगी और 3 वर्षों के बाद लंबी अवधि में यह 50 से 70% हो जाएगी। क्योंकि मिट्टी की उर्वरता में काफी सुधार होता है	यह शुरू में जैविक उर्वरकों की तुलना में कम महंगा है और लंबे समय में महंगा हो जाता है। मुख्य रूप से उपज समान होगी लेकिन उर्वरक की लागत हर साल अधिक होती है क्योंकि यह मिट्टी की उर्वरता को खराब करती है इसलिए उपज को बनाए रखने के लिए हर साल अधिक शक्तिशाली रसायनों की आवश्यकता होती है।
उपकरण और तकनीकें	
जैविक खाद देशी गायों का उपयोग करके मैन्युअल और अर्ध स्वचालित तैयार की जाती है।	विशेष तकनीकों और उपकरणों और बहुत सारे पूंजीगत उपकरणों और कारखानों की आवश्यकता होती है।
उदाहरण	
पंचकाव्यम् मुख्य रूप से देशी गाय के गोबर, मूत्र, घी, दही और दूध के साथ-साथ फसलों और पौधों के लिए आवश्यक सभी जैविक फलों के रस और गुड़ से।	अमोनियम सल्फेट, अमोनियम फॉस्फेट, अमोनियम नाइट्रेट, यूरिया, अमोनियम क्लोराइड और इसी तरह।

कॉर्पोरेट कार्यालय का पता

जेबी इंटरप्राइजेज, नंबर 358 अववई शनमुगम सलाई जीजे प्लाजा दूसरी मंजिल
गोपालपुरम चेन्नई 600086 तमिलनाडु राज्य भारत

फ़ोन: +91 44 4558 7346/ +91

वेबसाइट: www.jbenterprises.group

ई पोर्टल: www.greenagrow.com - ऑनलाइन खरीदारी

ईमेल: contact@jbenterprises.group